

किसान छात्रावास, उदयपुर

1. छात्रावास का नाम व पता —किसान छात्रावास, उदयपुर

किसान हॉस्टल, डीपीएस के पास, भुवाना, उदयपुर

संचालक संस्था—मेवाड़ किसान एवं ग्रामीण समाज शिक्षा प्रसार समिति उदयपुर

2. इतिहास— उदयपुर के ग्रामीण क्षेत्र में जाट समाज मावली एवं उत्तर पूर्व दिशा में की तरफ ज्यादातर निवास करते हैं एवं उदयपुर शहर में नगण्य जनसंख्या है। उदयपुर में जटवाड़ी में पंचायत नोहरा नामक सार्वजनिक स्थान समाज की मीटिंग एवं समारोह के लिए है। इसमें विस्तार हेतु उदयपुर में रहने वाले समाज के 21 व्यक्तियों ने इंजिनियर श्री रामचन्द्र सिंह की अध्यक्षता में ओम सेवा समिति नामक संगठन बनाया ताकि समाज के परिवार एक दूसरे को जान पहचान कर सकें। इस संस्था के पहले सचिव बने डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह इन्हीं व्यक्तियों में धीरे-धीरे मेल-जोल बढ़ा तो इन्होंने पहले जाट समाज की एक कॉलोनी श्रद्धा कॉम्पलेक्स नाम से बनाने की योजना बनाई लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली। यद्यपि इसमें कुछ प्लॉट खरीदे थे जिन्हें बाद में बेचकर 1.4 करोड़ की आय समिति को प्राप्त हुई। वर्ष 2000 में उपर्युक्त व्यक्तियों के साथ-साथ उदयपुर में रहने वाले जाट समाज के अन्य जागरूक व्यक्ति भी मिले तथा कुल 41 व्यक्तियों ने मिलकर एक संस्था 'मेवाड़ किसान एवं ग्रामीण समाज शिक्षा प्रसार समिति' का गठन किया एवं उस का रजिस्ट्रेशन करवाया गया। इस संस्था के अध्यक्ष मूलतः नागौर निवासी मार्बल व्यवसायी श्री बन्नाराम चौधरी एवं इनके परम सहयोगी बने डॉ. बालू राम चौधरी। इस संस्था के गठन के बाद सदस्यों ने चन्दा एकत्र कर छात्रावास एवं समाज के समारोह आदि आयोजित करने के लिए लगभग 0.77 एकड़ जमीन डीपीएस विद्यालय भुवाना के पास खरीदी जिसमें चौधरी श्री बन्नाराम डूडी अध्यक्ष का बड़ा आर्थिक योगदान था। इसके बाद उस भूमि पर 05 कमरें एवं एक हॉल छात्रावास के रूप में समाज के जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए बनाए जाकर उनमें विद्यार्थियों को रखना शुरू कर दिया। इसके बाद श्री बनाराम डूडी, श्री रामलाल जाट तत्कालीन मंत्री, श्री जगमोहन सिंह आरएएस, श्री रामकरण चौधरी एवं अन्य सदस्यों के प्रयासों से संस्था के नजदीकी की जमीन राज्य सरकार द्वारा आवंटित करवाई जिसे सरकार के आदेशानुसार 59180 वर्गफीट जमीन युआईटी उदयपुर से वर्ष 2009 पट्टा प्राप्त हुआ। इसके बाद उक्त जमीन पर श्री ज्ञान प्रकाश पिलानिया राज्य सभा सांसद एवं श्री रामनारायण डूडी सांसद द्वारा सांसद निधि से प्राप्त धन एवं समाज के दानदाताओं के सहयोग से दो बड़े हॉल बनाए गए।

उदयपुर में समाज के जरूरतमंद प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को किफायती दर पर आवास एवं शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए यह छात्रावास बहुत ही उपयुक्त स्थान है। भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कार्यकारिणी ने आगामी योजना तैयार दूरगामी सोच के साथ उदकर उक्त नक्शा फाइनल कर दिया है। इस पर लगभग 20 करोड़ रुपये लागत आने की संभावना है।

3. प्रस्तावित निर्माण कार्य योजना-

क्र.सं.	निर्माण	संख्या	विवरण	लागत
1.	हॉस्टल	02	बालक छात्रावास एवं बालिका छात्रावास	
2.	पार्किंग	01 मंजिल	प्रत्येक हॉस्टल में	
3.	सुविधाएँ	01 मंजिल	प्रत्येक हॉस्टल में	
4.	गेस्ट हाँऊस	14 कमरें	प्रत्येक हॉस्टल में कुल 28 कमरें	
5.	हॉस्टल	09 मंजिल में 126 कमरें होंगे।	प्रत्येक हॉस्टल में 126x2 252 कमरें होंगे।	

(बाबूलाल रणवाह)